**National Coal Board**

2374. **Shri Subodh Hansda:**
**Shri S. C. Samanta:**
**Shri P. C. Borooah:**
**Shri M. L. Dwivedi:**
**Shri Bhagwat Jha Azad:**
**Dr. M. M. Das:**

Will the Minister of **Mines and Metals** be pleased to state:

(a) whether the National Coal Board has started functioning;

(b) if so, its composition and whether they are paid Government employees; and

(c) how the employees of the Coal Commissioners' Organisation and other organisations are going to be absorbed in the new set-up?

**The Minister of Mines and Metals (Shri S. K. Dey):** (a) No, Sir. The matter is under consideration.

(b) and (c). Does not arise.

**Export of Agriculture-based Products**

2375. **Dr. Karni Singhji:** Will the Minister of **Commerce** be pleased to state:

(a) the percentage of agriculture-based products to all exports made by India during 1965-66;

(b) how much is exported in the shape of finished products and how much as raw materials; and

(c) what steps are being taken to convert the exportable raw materials into finished products for export?

**The Minister of Commerce (Shri Manubhai Shah):** (a) Approximately 79.50 per cent.

(b) A statement is laid on the Table of the House. [*Placed in Library. See* No. LT-7425/68].

(c) Effort is being made, wherever possible to export finished products in preference to raw materials. To achieve this, research is being carried out on various agricultural commodities in order to improve the quality of our finished products. However, the process of exporting agricultural commodities in finished form has to be gradual for two reasons:

(1) resistance from countries which have been importing raw materials so far and doing the processing themselves;

(2) import tariffs are generally higher on finished products than on raw materials.

भिलाई के इंजीनियरों की छंटनी

2376. **डा० राम मनोहर लोहिया :**
**श्री राम सेवक यादव :**
**श्री मधु लिमये :**

क्या **लोहा और इस्पात** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भिलाई इस्पात कारखाने के कुछ इंजीनियरों की छंटनी की गई है ;

(ख) क्या छंटनी के बाद इन इंजीनियरों ने "इंजीनियरों का पूल" बनाये जाने के लिये अनुरोध किया है ; और

(ग) यदि हां, तो उनकी छंटनी करने के क्या कारण थे तथा उनकी प्रार्थना के बारे में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

**लोहा और इस्पात मंत्री (श्री त्रि० ना० सिंह)** : (क) जी, हां । 19 इंजीनियरों की छंटनी की गई थी ।

(ख) जी, हां ।

(ग) छंटनी भिलाई इस्पात कारखाने के 2 5 मिलियन टन विस्तार सम्बन्धी निर्माण कार्य पूरा हो जाने के कारण की गई थी ।

औद्योगिक उपक्रमों के फालतू कर्मचारियों के प्रविस्तारण के लिए भर्ती और प्रशिक्षण के महानिदेशक ने अपने निदेशालय में एक

विशिष्ट कक्ष खोला है। इसके अलावा सरकारी उपक्रमों में सिविल इंजीनियरों की भर्ती के तरीकों का विशेष रूप से अध्ययन करने के लिए योजना आयोग ने भी एक समिति बनाई है जो इस वर्ग के फालतू कर्मचारियों के प्रविस्तारण के बारे में भी सुझाव देगी। यह समिति दूसरी बातों के साथ साथ फालतू इंजीनियरों का एक "पूल" बनाने के सुझाव पर भी विचार करेगी। ऐसी आशा है कि यह समिति अपनी रिपोर्ट शीघ्र ही दे देगी।

**पटना स्टेशन पर तांबे का पकड़ा जाना**

2377. **श्री हुकम चन्द कछवाय :**
**श्री बड़े :**
**श्री विगे :**
**श्री उटिया :**
**श्री मधु लिमये :**

क्या **रेलवे** मंत्री 29 जुलाई, 1966 के अतारांकित प्रश्न संख्या 644 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या पटना स्टेशन पर पकड़े गये तांबे के सम्बन्ध में जांच सरकार ने इस बीच पूरी कर ली है ;

(ख) यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है ;

(ग) यदि नहीं, तो इसमें और कितना समय लग जाने की संभावना है ;

(घ) क्या इस बीच अपराधी को पकड़ लिया गया है ; और

(ङ) पकड़े गये तांबे की क्या मात्रा है और इसका अनुमानित मूल्य कितना है ?

**रेलवे मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० राम सुभग सिंह)** :(क) जी नहीं।

(ख) से (ङ) चूंकि जांच राज्य सरकार द्वारा की जा रही है इसलिए यह बताना सम्भव नहीं है कि जांच का काम कब पूरा होगा।

**झांसी रेलवे स्टेशन पर दुर्घटना**

2378. **श्री हुकम चन्द कछवाय :**
**श्री बड़े :**
**श्री विश्वनाथ पाण्डेय :**
**श्री विगे :**

क्या **रेलवे** मंत्री 29 जुलाई, 1966 के अतारांकित प्रश्न संख्या 667 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या 5 मई, 1966 को लखनऊ जाने वाली सवारी गाड़ी और जी० टी० एक्सप्रैस गाड़ी के बीच झांसी रेलवे स्टेशन पर हुई टक्कर की जांच इस बीच पूरी हो चुकी है ;

(ख) यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है ; और

(ग) यदि नहीं, तो कब तक जांच पूरी होने की सम्भावना है ?

**रेलवे मंत्रालय में उपमंत्री (श्री शामनाथ)** (क) जिस अतारांकित प्रश्न संख्या 667 का उत्तर 29-7-66 को दिया गया था उसका सम्बन्ध उस दुर्घटना से था जो 1-5-66 को हुई थी न कि 5-5-66 को। इस दुर्घटना की जांच अब पूरी हो गयी है।

(ख) जांच समिति के निष्कर्ष के अनुसार दुर्घटना रेल कर्मचारियों की गलती से हुई थी।

(ग) सवाल नहीं उठता।